चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... हरि. भूमि ....

दिनांक 16.3.2019 पृष्ठ सं. ....13.... कॉलम ....4-8....

जापान के विवि और हकृवि में एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत अनुबंध

टोकियो यूनिवर्सिटी में पढ़ेंगे हकृवि विद्यार्थी

- जापान जाने वालों में परमिंदर व विनोद मुंडलिया शामिल
- नहीं लगेगी ट्यूशन फीस, छात्रावास होगा निशुल्क

जापान जा रहे विद्यार्थी कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि के दो विद्यार्थी स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत जापान की टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में शिक्षा ग्रहण करेंगे और वहां से डिग्री प्राप्त करेंगे।

हकृवि ने टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर के अतिरिक्त जापान के ही इंटरनेशनल रिसर्च सैंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंसिज और इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जापान के साथ कुलपति प्रो. केपी सिंह के नेतृत्व में शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्रों में आपसी सहयोग के लिए अनुबंध किए हैं। इन अनुबंधों में छात्रों के ड्यूल डिग्री प्रोग्राम एवं ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम की भी व्यवस्था है जिसके अंतर्गत उपरोक्त विद्यार्थी टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में शिक्षा प्राप्त करने के लिए चुने गए हैं। शिक्षा के लिए जापान जाने वाले इन विद्यार्थियों में परमिंदर और विनोद मुंडलिया शामिल हैं। परमिंदर हकृवि में बीएससी कृषि छह वर्षीय पाठ्यक्रम के तीसरे वर्ष का छात्र है जोकि टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में कृषि में स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम पूरा करेगा। जबकि विनोद उपरोक्त जापानी यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल एग्रीकल्चरल विभाग में एमएससी करेगा।

टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में पढाई के दौरान इन विद्यार्थियों की ट्यूशन फीस नहीं लगेगी और उन्हें निशुल्क छात्रावास की सुविधा भी मिलेगी। इनके अतिरिक्त टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर की ओर से उन्हें साल में 11 महीनें 45 हजार येन छात्रवृति भी प्रदान की जाएगी। जापान के लिए प्रस्थान करने से पूर्व इन विद्यार्थियों ने कुलपति से मुलाकात की और उनका आभार व्यक्त किया जबकि कुलपति ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि हकृवि अपने शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों को विस्तार देने के लिए देश-विदेश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है और इन शैक्षणिक संस्थानों के साथ आपसी रूचि के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहा है।

विदेशी छात्रों की पसंद है हरियाणा कृषि विवि

बता दें कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी विदेशी छात्रों की पसंद है। यहां पर करीब 20 देशों जिनमें अफगानिस्तान, श्रीलंका, मयांमार, बोतसवाना, लाइबेरिया, तनजानिया, मारीशस, नेपाल, वियतनाम, तजाकिस्मतान, सोमालिया, नाइजारिया, भूटान, सूडान, फिजी, मंगोलिया, इथोपिया, मोजांबिक आदि शामिल हैं, के छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस अवसर पर हकृवि के एग्रीकल्चर कालेज के डीन, डॉ. केएस ग्रेवाल, डीन पोस्टग्रेजुएट स्टडीज डॉ. आशा कवात्रा और हकृवि अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविन्द्र पाल सिंह आदि उपस्थित थे।

डॉ. दलविन्द्र पाल सिंह ने बताया कि टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर के स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम के चार विद्यार्थियों का दल स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत गत अगस्त माह में हकृवि के एक सप्ताह के दौरे पर आ चुका है।

इस दौरे के दौरान इन विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों का दौरा किया और यहां पर जारी शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रयोगशाला गतिविधियों की जानकारी हासिल की। दल ने हिसार के आसपास के गांवों का भी भ्रमण किया था जहां हरियाणा की कृषि और ग्रामीण संस्कृति के बारे में जानकारी ली।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......अमर उजाला......

दिनांक 16.3.2019 पृष्ठ सं. ...5... कॉलम ...6-8...

एचएयू के छात्र शिक्षा ग्रहण करने जाएंगे जापान

साल में 11 महीने 45 हजार येन दी जाएगी छात्रवृत्ति, नहीं ली जाएगी ट्यूशन फीस

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थी स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत जापान की टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में शिक्षा ग्रहण करेंगे और वहां से डिग्री प्राप्त करेंगे।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर के अतिरिक्त जापान के ही इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंससेज और इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जापान के साथ कुलपति प्रो. केपी सिंह के नेतृत्व में शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्रों में आपसी सहयोग के लिए अनुबंध किए हैं। इन अनुबंधों में छात्रों के ड्यूल डिग्री प्रोग्राम एवं ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम की भी व्यवस्था है, जिसके अंतर्गत उपरोक्त विद्यार्थी टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में शिक्षा प्राप्त करने के लिए चुने गए हैं। शिक्षा के लिए जापान जाने वाले इन विद्यार्थियों में परमिंदर और विनोद मुंडलिया शामिल हैं। परमिंदर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बीएससी कृषि छह वर्षीय पाठ्यक्रम के तीसरे वर्ष का छात्र है, जोकि टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में कृषि में स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम पूरा करेगा, जबकि विनोद उपरोक्त जापानी यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल एग्रीकल्चरल विभाग में एमएससी करेगा।

जापान जा रहे विद्यार्थी कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ।

एचएयू में 20 देशों के छात्र ले रहे शिक्षा

एचएयू में करीब 20 देशों के छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, जिनमें अफगानिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार, बोतसवाना, लाइबेरिया, तनजानिया, मारीशस, नेपाल, वियतनाम, तजाकिस्तान, सोमालिया, नाइजारिया, भूटान, सूडान, फिजी, मंगोलिया, इथोपिया, मोजांबिक आदि देश शामिल हैं। इस अवसर पर हकृवि के एग्रीकल्चर कालेज के डीन, डॉ. केएस ग्रेवाल, डीन पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज डॉ. आशा कवात्रा और हकृवि अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डॉ. दलविंद्र पाल सिंह भी उपस्थित थे। डॉ. दलविंद्र पाल सिंह ने बताया कि टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर के स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम के चार विद्यार्थियों का एक दल अगस्त में हकृवि के एक सप्ताह के दौरे पर आ चुका है।

निशुल्क छात्रावास की सुविधा : टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में पढ़ाई के दौरान इन विद्यार्थियों की ट्यूशन फीस नहीं लगेगी और उन्हें निशुल्क छात्रावास की सुविधा भी मिलेगी। इनके अतिरिक्त टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर की ओर से उन्हें साल में 11 महीने 45 हजार येन छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी।

कुलपति ने दी शुभकामनाएं : जापान के लिए प्रस्थान करने से पूर्व इन विद्यार्थियों ने कुलपति से मुलाकात की और उनका आभार व्यक्त किया, जबकि कुलपति ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 16.3.2019 पृष्ठ सं. 18 कॉलम 6-8

एचएयू के छात्र टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में पूरी करेंगे डिग्री

जागरण संवाददाता हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के दो विद्यार्थी स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत जापान की टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में शिक्षा ग्रहण करेंगे और वहां से डिग्री प्राप्त करेंगे।

शिक्षा के लिए जापान जाने वाले इन विद्यार्थियों में परमिंदर और विनोद मुंडलिया शामिल हैं। परमिंदर विश्वविद्यालय में बीएससी कृषि छह वर्षीय पाठ्यक्रम के तीसरे वर्ष का छात्र है, जोकि टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में कृषि में स्नातक डिग्री पाठयक्रम पूरा करेगा। जबकि विनोद जापानी यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल एग्रीकल्चरल विभाग में एमएससी करेगा। जापान के लिए प्रस्थान करने से पूर्व इन विद्यार्थियों ने कुलपति से मुलाकात की और कुलपति ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर हकृवि के एग्रीकल्चर कालेज के डीन, डा. केएस ग्रेवाल, डीन पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज डा. आशा कवात्रा और हकृवि अंतरराष्ट्रीय मामलों के संयोजक डा. दलविन्द्र पाल सिंह भी मौजूद थे।

जापान से है एचएयू का अनुबंध : एचएयू ने टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर के अतिरिक्त जापान के ही इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉउदर एग्रीकल्चरल साइंससिज और इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जापान के साथ शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्रों में आपसी सहयोग के लिए अनुबंध किए हैं। इन अनुबंधों में छात्रों के ड्यूल डिग्री प्रोग्राम एवं ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम की भी व्यवस्था है, जिसके अंतर्गत उपरोक्त विद्यार्थी टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में शिक्षा प्राप्त करने के लिए चुने गए हैं।

जापान जा रहे विद्यार्थी कुलपति प्रो. केपी सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ।

45 हजार येन की छात्रवृत्ति भी मिलेगी

टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में पढ़ाई के दौरान इन विद्यार्थियों की ट्यूशन फीस नहीं लगेगी और उन्हें निशुल्क छात्रावास की सुविधा भी मिलेगी। इनके अतिरिक्त यूनिवर्सिटी की ओर से उन्हे साल में 11 महीने 45 हजार येन छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 16.3.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-4

एचएयू के दो स्टूडेंट्स पढ़ाई के लिए जापान होंगे रवाना

स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत हुआ था अनुबंध, ट्यूशन फीस और छात्रावास में मिलेगी छूट

भास्कर न्यूज | हिसार

स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के दो स्टूडेंट्स जापान की टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में शिक्षा ग्रहण करेंगे और वहां से डिग्री प्राप्त करेंगे। जापान जाने वाले इन विद्यार्थियों में परमिंदर और विनोद मुंडलिया शामिल हैं। परमिंदर एचएयू में बीएस-सी कृषि छह वर्षीय पाठ्यक्रम के तीसरे वर्ष का छात्र है। वह टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में कृषि में स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम पूरा करेगा जबकि विनोद उपरोक्त जापानी यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल एग्रीकल्चरल विभाग में एमएससी करेगा।

ज्वॉइंट प्रोग्राम में जापान से हुआ अनुबंध

एचएयू ने टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर के अतिरिक्त जापान के ही इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंसिज और इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जापान के साथ वीसी प्रो. केपी सिंह के नेतृत्व में शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्रों में आपसी सहयोग के लिए अनुबंध किए हैं। इन अनुबंधों में छात्रों के ड्यूल डिग्री प्रोग्राम एवं ज्वॉइंट डिग्री प्रोग्राम की भी व्यवस्था है। इसके अंतर्गत उपरोक्त विद्यार्थी टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में शिक्षा प्राप्त करने के लिए चुने गए। जापान के लिए प्रस्थान करने से पहले इन स्टूडेंट्स ने वीसी प्रो. केपी सिंह से मुलाकात की।

जापान में छात्रों को यह मिलेंगी सुविधाएं : टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में पढ़ाई के दौरान इन विद्यार्थियों की ट्यूशन फीस नहीं लगेगी और उन्हें निःशुल्क छात्रावास की सुविधा भी मिलेगी। इनके अतिरिक्त टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर की तरफ से उन्हें साल में 11 महीने 45 हजार येन छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी।

जापान जा रहे विद्यार्थी कुलपति प्रो. केपी सिंह, डीन पीजीएस डॉ. आशा क्वात्रा व अन्य पदाधिकारी।

जापानी स्टूडेंट्स एचएयू का कर चुके हैं भ्रमण

डॉ. दलविन्द्र पाल सिंह ने बताया कि टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर के स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम के चार विद्यार्थियों का एक दल स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत गत अगस्त माह में एचएयू के एक सप्ताह के दौरे पर आ चुका है। इस दौरे के दौरान इन विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों का दौरा किया और यहां पर जारी शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रयोगशाला गतिविधियों की जानकारी हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......पंजाब केसरी......

दिनांक 16.3.2019 पृष्ठ सं. ...4... कॉलम 4-6

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र शिक्षा ग्रहण करने जाएंगे जापान

हिसार (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 2 विद्यार्थी स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत जापान की टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में शिक्षा ग्रहण करेंगे। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर के अतिरिक्त जापान के ही इंटरनैशनल रिसर्च सैंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंससिज और इंटरनैशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जापान के साथ कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के नेतृत्व में शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्रों में आपसी सहयोग के लिए अनुबंध किए हैं। इन अनुबंधों में छात्रों के ड्यूल डिग्री प्रोग्राम एवं ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम की भी व्यवस्था है जिसके अंतर्गत उपरोक्त विद्यार्थी टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में शिक्षा प्राप्त करने के लिए चुने गए हैं। शिक्षा के लिए जापान जाने वाले इन विद्यार्थियों में परमिंदर और विनोद मुंडलिया शामिल हैं। परमिंदर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बी.एससी. कृषि 6 वर्षीय पाठ्यक्रम के तीसरे वर्ष का छात्र है जोकि टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में कृषि में स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम पूरा करेगा जबकि विनोद उपरोक्त जापानी यूनिवर्सिटी में इंटरनेश्नल एग्रीकल्चरल विभाग में एम.एससी. करेगा। टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में पढ़ाई के दौरान इन विद्यार्थियों की ट्यूशन फीस नहीं लगेगी और उन्हे नि:शुल्क छात्रावास की सुविधा भी मिलेगी। इनके अतिरिक्त टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर की ओर से उन्हें साल में 11 महीने 45 हजार येन छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। जापान के लिए प्रस्थान करने से पूर्व इन विद्यार्थियों ने कुलपति से मुलाकात की और उनका आभार व्यक्त किया।

जापान जा रहे विद्यार्थी कुलपति प्रो. के.पी. सिंह व अन्य अधिकारियों के साथ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......नित्य शक्ति टाइम्स......
दिनांक 15:3:2019 पृष्ठ सं. ......6...... कॉलम ......1-4......

शिक्षा ग्रहण करने जापान जाएंगे हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र

हिसार, 15 मार्च (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के दो विद्यार्थी स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत जापान की टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में शिक्षा ग्रहण करेंगे और वहां से डिग्री प्राप्त करेंगे।

यहां उल्लेखनीय है कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर के अतिरिक्त जापान के ही इंटरनेशनल रिसर्च सैंटर फॉर एग्रीकल्चरल साइंससिज और इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जापान के साथ कुलपति प्रो. केपी सिंह के नेतृत्व में शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्रों में आपसी सहयोग के लिए अनुबंध किए हैं। इन अनुबंधों में छात्रों के ड्यूल डिग्री प्रोग्राम एवं ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम की भी व्यवस्था है जिसके अंतर्गत उपरोक्त विद्यार्थी टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में शिक्षा प्राप्त करने के लिए चुने गए हैं।

शिक्षा के लिए जापान जाने वाले इन विद्यार्थियों में परमिंदर और विनोद मुंडलिया शामिल हैं। परमिंदर हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में बीएस-सी कृषि छः वर्षीय पाठ्यक्रम के तीसरे वर्ष का छात्र है जोकि टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में कृषि में स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम पूरा करेगा जबकि विनोद उपरोक्त जापानी यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल एग्रीकल्चरल विभाग में एमएससी करेगा। टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर में पढ़ाई के दौरान इन विद्यार्थियों की टयूशन फीस नहीं लगेगी और उन्हे निशुल्क छात्रावास की सुविधा भी मिलेगी। इनके अतिरिक्त टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर की ओर से उन्हे साल में 11 महीनें 45 हजार येन छात्रवृति भी प्रदान की जाएगी। जापान के लिए प्रस्थान करने से पूर्व इन विद्यार्थियों ने कुलपति से मुलाकात की और उनका आभार व्यक्त किया जबकि कुलपति ने उन्हे शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों को विस्तार देने के लिए देश-विदेश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ा रहा है और इन शैक्षणिक संस्थानों के साथ आपसी रूचि के क्षेत्रों की पहचान करके आगे बढ़ रहा है।

यहां बता दें कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी विदेशी छात्रों की पहली पसंद है। यहां पर करीब 20 देशों जिनमें अफगानीस्तान, श्रीलंका, मयांमार, बोतसवाना, लाइबेरिया, तनजानिया, मारीशस, नेपाल, वियतनाम, तजाकिस्मतान, सोमालिया, नाइजारिया, भूटान, सूडान, फिजी, मंगोलिया, इथोपिया, मोजांबिक आदि शामिल हैं, के छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......अमर उजाला......

दिनांक 16.3.2019 पृष्ठ सं. ......5...... कॉलम ......1-4......

खेती

एचएयू में अरंड के हितधारकों के लिए राज्यस्तरीय कार्यशाला शुरू

'अरंड की खेती किसानों की आय दोगुना करने में लाभदायक'

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार को अरंड के हितधारकों के लिए दो दिवसीय राज्य स्तरीय सहभागिता कार्यशाला शुरू हुई।

विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का बेसिक साइंस कॉलेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह ने उद्घाटन किया। उन्होंने अरंड को कृषि विविधीकरण के लिए उपयुक्त फसल बताया और कहा अरंड की खेती किसानों की आय को दोगुना करने में बहुत मदद कर सकती है।

उन्होंने कहा एक तरफ इस फसल की अच्छी उत्पादन क्षमता है और दूसरी ओर इसकी खेती में लागत बहुत कम है। उन्होंने अरंड की प्रौद्योगिकी के विकास और इसकी खेती को प्रदेश के किसानों में

कार्यशाला में किसानों को संबोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. राजवीर सिंह।

लोकप्रिय बनाने के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, बावल की सराहना की। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने अरंड अनुसंधान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला कि अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत इस केंद्र ने अरंडी पर विभिन्न पहलुओं पर उम्दा शोध कार्य किया है और सिंचित परिस्थितियों में संकर अरंडी की खेती की विधियों का पैकेज तैयार किया है। इस अवसर पर अरंड की खेती-किसानों की प्रतिक्रिया नामक पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस मौके पर अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, परियोजना निदेशक डॉ. सतीश खोखर तथा भारतीय तेल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के वैज्ञानिक डॉ. सतीश कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे।

राजस्थान से सटे जिलों में बढ़ी अरंड की खेती : क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र बावल के निदेशक डॉ. नरेश वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजनाओं के वित्त पोषण से दक्षिण-पश्चिमी हरियाणा में अरंड की खेती के प्रसार को बढ़ावा मिला है। राजस्थान की सीमा से सटे हरियाणा के 6-7 जिलों सिरसा, हिसार, भिवानी, फतेहाबाद, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और गुरुग्राम के कुछ हिस्सों में अरंड को फसल विविधीकरण में शामिल किया गया है। प्रमुख वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) डॉ. जोगेंद्र यादव ने मंच संचालन किया और हरियाणा में अरंड की खेती की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ...वीर भूमि, दैनिक ट्रिब्यून...
दिनांक 16.3.2019 पृष्ठ सं. 18, 5 कॉलम 7-8, 7-8

हकृवि में अरंड फसल पर वर्कशॉप शुरू

हिसार। हकृवि में आज अरंड के हितधारकों के लिए दो दिवसीय राज्य स्तरीय सहभागिता कार्यशाला आरम्भ हुई। विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, बावल द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत आयोजित इस कार्यशाला का बेसिक साइंस कॉलेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह ने उद्घाटन किया। डॉ. राजवीर ने किसानों को संबोधित करते हुए अरंड को कृषि विविधीकरण के लिए उपयुक्त फसल बताया और कहा अरंड की खेती किसानों की आय को दोगुना करने में बहुत मदद कर सकती है। उन्होंने कहा एक तरफ इस फसल की अच्छी उत्पादन क्षमता है और दूसरी ओर इसकी खेती में लागत बहुत कम है। उन्होंने अरंड की प्रौद्योगिकी के विकास और इसकी खेती को प्रदेश के किसानों में लोकप्रिय बनाने के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, बावल की सराहना की। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने अरंड अनुसंधान की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत इस केंद्र ने अरंडी पर विभिन्न पहलुओं पर उम्दा शोध कार्य किया है और सिंचित परिस्थितियों में संकर अरंडी की खेती की विधियों का पैकेज तैयार किया है। उन्होंने कहा अन्य राज्यों की तुलना में हरियाणा में अरंड की पैदावार अपेक्षाकृत है तथा इस अन्तर को कम करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों के स्तर पर अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

अरंड की खेती पर हकृवि में कार्यशाला

हिसार, 15 मार्च (निस)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आज अरंड के हितधारकों के लिए दो दिवसीय राज्य स्तरीय सहभागिता कार्यशाला आरम्भ हुई। विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, बावल द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत आयोजित इस कार्यशाला का बेसिक साइंस कॉलेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह ने उद्घाटन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 16.3.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 6

एचएयू में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

अरंड की खेती को बढ़ावा देने को अधिक प्रयास की जरूरत

डॉ. राजवीर सिंह किसानों को संबोधित करते हुए।

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार को अरंड के हितधारकों के लिए दो दिवसीय राज्य स्तरीय सहभागिता कार्यशाला शुरू हुई। एचएयू के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, बावल की तरफ से राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला का बेसिक साइंस कॉलेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह ने उद्घाटन किया।

डॉ. राजवीर ने अरंड की प्रौद्योगिकी के विकास और इसकी खेती को प्रदेश के किसानों में लोकप्रिय बनाने के लिए क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, बावल की सराहना की। रिसर्च डायरेक्टर डॉ. एसके सहरावत ने कहा कि अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत इस केंद्र ने अरंडी पर विभिन्न पहलुओं पर उम्दा शोध कार्य किया है। उन्होंने कहा अन्य राज्यों की तुलना में हरियाणा में अरंड की पैदावार अपेक्षाकृत है तथा इस अंतर को कम करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों के स्तर पर अधिक प्रयास करने की जरूरत है। अतिरिक्त कृषि निदेशक, डॉ. आरएस सोलंकी ने किसानों के साथ संवाद कार्यक्रम के दौरान हरियाणा में अरंडी की खेती को बढ़ाने के लिए किये जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर अतिरिक्त अनुसंधान निदेशक डॉ. नीरज कुमार, परियोजना निदेशक डॉ. सतीश खोखर तथा हैदराबाद के वैज्ञानिक डॉ. सतीश उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 15.3.2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 3-6

महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के स्टॉल पर किसानों ने कोर्सों की जानकारी हासिल की

बागवानी में बढ़ी किसानों की रुचि, औषधीय पौधे व मसाले की खेती से आय कर सकते हैं दोगुनी

भास्कर न्यूज | हिसार

प्रदेश के किसानों का रुझान बागवानी की तरफ बढ़ता दिख रहा है। इसके तहत औषधीय पौधे और मसाले का काम किसानों को भा रहा है। एचएयू में गत दिवस आयोजित हुए कृषि मेले में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के स्टॉल पर किसानों ने सबसे अधिक बागवानी के डिप्लोमा व डिग्री कोर्सों की जानकारी ली। करनाल स्थित एमएचयू का अभी इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार हो रहा है।

ऐसे में कोई नया कोर्स शुरू होने की हाल फिलहाल की संभावना नहीं है। मगर जब विवि में ऐसे कोर्स शुरू हुए तो किसानों की तरफ से बड़ा रेस्पांस आने की संभावना है। अभी तक एमएचयू एमएससी व पीएचडी कोर्स संचालित कर रही है। इसमें नई तकनीकी के माध्यम से फलों, सब्जियों, फूलों आदि पर काम किया जा रहा है। इसके साथ ही मार्केटिंग के गुरों को भी सिखाया जा रहा है। एमएचयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि बागवानी के कोर्स किसानों की काफी हद तक आगे बढ़ने में मदद करेंगे। अभी विवि का भवन तैयार हो रहा है, फेकल्टी आदि संसाधनों को एकत्रित करने के बाद नए कोर्स शुरू करने के निर्णय पर पहुंचेंगे। फिलहाल हम एमएससी व पीएचडी की डिग्रियां संचालित कर रहे हैं।

प्रदेश में बागवानी क्षेत्र व उत्पादन की यह है स्थिति

फसल	क्षेत्रफल (हेक्टेयर हजार में)	उत्पादन (टन हजार में)
फल	64.02	793.35
सब्जी	446.99	7151.66
सुगंधित पौधे	0.46	3.21
फूल	5.49	61.19
मसाले	17.05	77.80
शहद	0	4.50
कुल	534.01	8091.71

प्रस्तावित उपाधि, डिग्री कार्यक्रम

- फल विज्ञान
- सब्जी विज्ञान
- पुष्प विज्ञान एवं भूदृश्य वास्तुकला
- औषधीय एवं सुगंधित पौधे

एमएचयू की प्राथमिकताएं

- बागवानी फसलों की उच्च उत्पादकता के समय के साथ बढ़ावा देना
- बागवानी उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मानवीय कार्यशक्ति का विकास करना
- बागवानी फसलों के उत्पादन से जुड़े उपभोक्ताओं के लिए बागवानी तकनीक विकसित करके जागरूकता प्रदान करना।
- उत्पादन की लागत को कम करना
- खाद्य व कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग को कम करने के लिए समेकित पोषक तत्व व कीट प्रबंधन को बढ़ावा देना।